ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–84
दिनांक: मंगलवार, 03 नवम्बर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.8 एवं 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.3 एवं दोपहर में 30.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 नवम्बर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04 से 08 नवम्बर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस दौरान पूर्वी हवाओं के चलने के कारण तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 25–32°C तथा न्यूनतम तापमान 19–24°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 75–95% तथा दोपहर के समय 30–40% रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवाएं पूर्वी एवं उत्तर–पूर्वी दिशा से 4–10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- आलूः आलू की बुआई शुरू करें। इस के लिए अच्छी जल निकास वाली बलुई दोमट या दोमट ऊपरी भूमि उपयुक्त होती है। खेत की तैयारी हेतु 2–3 बार जुताई करने के बाद हैरो चलाकर मिट्टी को भुरभुरी एवं समतल करें तथा मेड़–नाली पद्धति से बुआई करें। आलू की अनुशंसित किस्में *कुफरी ख्याति, कुफरी पुखराज, कुफरी ज्योति, कुफरी लोहित* एवं *कुफरी नीलकंठ* हैं। 30–40 ग्राम वजन वाले बीज कंदों की दर 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा 40–50 ग्राम वजन वाले बीज कंदों की दर 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज कंदों को मैन्कोजेब दवा का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से उपचारित करें। खेत मे गोबर की खाद 20–25 टन प्रति हेक्टेयर डालें तथा 150 किग्रा नाइट्रोजन, 90 किग्रा फॉस्फोरस एवं 100 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। गोबर की खाद, फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुआई के समय आधार उर्वरक के रूप में दें। शेष आधी नाइट्रोजन बुआई के 30 दिनों बाद मिट्टी चढ़ाने के समय दें। गोबर की खाद के साथ एजोटोबैक्टर एवं फॉस्फेट घुलनशील जीवाणु (PSB) जैसे जैव उर्वरकों का प्रयोग भी लाभकारी है। जिंक की कमी वाली मिट्टी में जिंक सल्फेट 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से डालें।
- सूरजमुखीः सूरजमुखी की बुआई कर लें। इस की अनुशंसित कम्पोजिट किस्में *मोर्डन, पराडेविक* एवं *डी.आर.एस.एफ.*–108 तथा संकर किस्में *के.बी.एस.एच.*–1, *एम.एस.एफ.एच.*–1, *एम.एस.एफ.एच.*–8, *एम.एस.एफ.एच.*–17 एवं *के.बी.एस.एच.*–44 हैं। कम्पोजिट किस्मों के लिए 8 किग्रा प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्मों के लिए 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज दर अपनाएं। बुआई से पहले बीजों को 16 घंटे तक पानी में भिगोकर 5–6 घंटे तक छाया में सुखाएं तथा थायरम या कैप्टान 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के समय 4–6 सेमी की गहराई पर प्रत्येक स्थान पर 2–3 बीज डालें। कम्पोजिट किस्मों के लिए 45×20 सेमी तथा संकर किस्मों के लिए 60×30 सेमी की दूरी रखें। बुआई से 15–20 दिन पहले खेत में गोबर की खाद या कम्पोस्ट 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। कम्पोजिट किस्मों के लिए बुआई के समय 30 किग्रा नाइट्रोजन, 80 किग्रा फॉस्फोरस तथा 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से आधार उर्वरक दें तथा अतिरिक्त 15 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से ऊपरिवेशन करें। संकर किस्मों के लिए आधार उर्वरक के रूप में 40 किग्रा नाइट्रोजन, 90 किग्रा फॉस्फोरस तथा 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर डालें तथा अतिरिक्त 20 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से ऊपरिवेशन करें। नाइट्रोजन का ऊपरिवेशन पहली सिंचाई के बाद तथा आवश्यकतानुसार फूल आने की अवस्था में करें। इसके अतिरिक्त, 30–40 किग्रा सल्फर तथा जिंक की कमी वाली मिट्टी में बुआई से पहले 25 किग्रा जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- मसूरः मसूर की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित किस्में *मल्लिका* (*के*–75), *अरुण* (*पी.एल.* 77–12), *के.एल.एस.*–218, *एच.यू.एल.*–57, *डब्ल्यू.बी.एल.*–77 एवं *पी.एल.*–5 हैं। बुआई से 2–3 दिन पहले बीजों को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किग्रा बीज एवं क्लोरपायरीफॉस 2–4 मिली प्रति किग्रा बीज की दर से उपचार करें। बुआई से ठीक पहले बीजों को उपयुक्त राइजोबियम कल्चर के 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए 30–35 किग्रा प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 40–45 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज दर रखें। पैरा (रिले क्रॉपिंग) प्रणाली के अंतर्गत 50–60 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज का प्रयोग करें। फसल की उचित वृद्धि एवं विकास के लिए 20 किग्रा नाइट्रोजन, 45 किग्रा फॉस्फोरस, 20 किग्रा पोटाश तथा 20 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- फूलगोभीः इस माह मध्यम अवधि वाली फूलगोभी की किस्मों, जैसे *पूसा हिम ज्योति, डी*–96 एवं *पंत शुभ्रा* की रोपाई करें। साथ ही, पछेती किस्मों जैसे पूसा स्नोबॉल–1 एवं पूसा हाइब्रिड–2 की बुआई भी करें। लगभग 350–400 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। रोपाई से पहले खेत में गोबर की खाद 20–25 टन प्रति हेक्टेयर, 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60–80 किग्रा फॉस्फोरस, 40–60 किग्रा पोटाश, 10–15 किग्रा बोरेक्स तथा 1–2 किग्रा अमोनियम मॉलिब्डेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.0 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 17.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी